भारतीय न्यास संहिता भारतीय संस्कृति के अनुकूल : ध्यानी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के नवस्थापित एकैडमिक स्टॉफ डेवलपमेंट सेंटर की ओर से 'भारत में नवीन आपराधिक और सूचना प्रौद्योगिकी विधि विकास' विषय पर फैकल्टी डेवलॉपमेंट कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार को विवि के सभागार में हुई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय दण्ड संहिता सहित हाल ही में देश की संसद द्वारा ब्रिटिशकालीन सीआरपीसी, आईपीसी की जगह भारत में स्थापित नए कानूनों पर फोकस कर शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का प्रयास विवि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डा.पीपी ध्यानी पूर्व कुलपति श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि व वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि तकनीकी विवि द्वारा कानूनी विषय पर फैकल्टी डेवलॉपमेंट कार्यक्रम कर बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने भारतीय न्यास संहिता 2023 को भारतीय संस्कृति के अनुकूल बताया। प्राचीन भारतीय ग्रंथों का उदाहरण देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि ब्रिटिश संसद द्वारा बनाए गए कानूनों की उपयोगिता सौ से अधिक वर्षो में भारत और पडोसी उद्देशों में बहुत कम हो गयी है।

■ फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम की शुरुआत

तकनीकी विवि के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने उद्घाटन सत्र में विवि से संबंद्ध सभी लॉ पाठ्यक्रमों के शिक्षकों से आह्वान किया कि वर्तमान परिदृश्य में जबकि दुनिया में टैक्नोलॉजी में तेजी से बदलाव हो रहा है। युवा पीढ़ी भी उसी तेजी से बदलती टैक्नोलॉजी को अपना रही है। टैक्नोलॉजी के इस बदलाव के दौर में देश के नागरिकों की सुरक्षा में कानूनी समुदाय की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने विवि के विधि छात्र-छात्राओं को भारत में नए कानूनों पर विस्तृत विमर्श में जोड़ने के लिए शिक्षकों का आह्वान किया। इसके साथ ही एकैडमिक स्आफ डेवलपमेंट सेंटर में विवि के शिक्षकों को सतत रूप से आधुनिक बदलावों के प्रति जागरूक करने के लिए पुरजोर कोशिश करने की अपेक्षा की, छात्रों को समकालीन परिवर्तनों व चुनौतियों से निबटने के लिए तैयार किया जा सके।

फैकल्टी डेवलॉमेंट प्रोग्राम के रिसोर्सपर्सन प्रो. एसडी शर्मा (सेवानिवृत्त) कुमाऊं विवि विधि विभाग ने नवीन कानूनों और उनकी प्रक्रियाओं के बारे में बताया। इस मौके पर विवि के रजिस्ट्रार प्रो.सत्येंद्र सिंह, कोऑडिनेटर डा.राहुल बहुगुणा, डा.संदीप नेगी, सह कॉर्डिनेटर डा.शराफत अली आदि मौजूद थे।